तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 17 मई 2026

शहर में आज

- गोयल क्रिकेट क्लब और एसीबी क्लब के बीच मैच
- वार्ड-7 में विशेष सफाई अभियान कार्यक्रम
- पाड़ा मोहल्ला माता मंदिर में आरती

बिना ब्याज जमा करें बकाया संपत्तिकर, 30 जून तक मौका

संपत्तिधारकों को बड़ी राहत : 2010-11 से 2024-25 तक के ब्याज पर 100% छूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

- *ब्याज माफी योजना से निगम की राजस्व वसूली को भी मिलेगी गति*
- *स्वयं प्रमाणन व टैक्स भुगतान करने वालों को मिलेगा फायदा*

सरकार ने संपत्ति धारकों को बड़ी राहत देते हुए वित्तवर्ष 2026-27 के बजट घोषणा संख्या-66 के अंतर्गत संपत्तिकर बकाया पर ब्याज माफी योजना लागू की है। इस योजना के तहत वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्तिकर पर लगने वाले ब्याज में 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। सरकार की ओर से यह विशेष छूट 30 जून 2026 तक लागू रहेगी, जिससे हजारों नागरिकों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

इस योजना का लाभ उन संपत्तिधारकों को मिलेगा जो 'संपत्ति कर का बकाया भुगतान और बेबाकी प्रमाणपत्र प्रबंधन प्रणाली पोर्टल' पर अपनी संपत्ति की सूचना को स्वयं प्रमाणित करेंगे और निर्धारण वर्ष 2026-27 तक के कुल बकाया संपत्तिकर का भुगतान करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य नागरिकों को राहत देने के साथ-साथ संपत्तिकर रिकॉर्ड को अधिक पारदर्शी, अद्यतन और व्यवस्थित बनाना है। लंबे समय से कई नागरिक केवल अधिक ब्याज राशि के कारण संपत्तिकर जमा नहीं करवा पा रहे थे। अब सरकार द्वारा ब्याज पूरी तरह माफ किए जाने से लोग बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ के अपना मूल कर जमा करवा सकेंगे। इससे नगर निगम को भी बकाया कर राशि की वसूली में मदद मिलेगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

विशेष जागरूकता अभियान चलेगा

नगर निगम प्रशासन द्वारा योजना को सफल बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। शहर के विभिन्न वार्डों में निगम पार्षदों, आरडब्ल्यूए, व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है। निगम अधिकारियों का कहना है कि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना का लाभ उठाएं, इसके लिए शिविरों और जनसंपर्क माध्यमों से लगातार प्रचार किया जा रहा है।

अंतिम तिथि का इंतजार न करें, जल्द भरें

सचिन गुप्ता ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और 30 जून 2026 से पहले अपना बकाया संपत्तिकर जमा करवाकर सरकार द्वारा दी जा रही विशेष छूट का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि समय पर कर जमा करवाने से न केवल नागरिकों को राहत मिलेगी बल्कि शहर के विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

विशेष छूट का लाभ उठाएं

योजना के तहत 2010-11 से 2024-25 तक के बकाया पर मिलेगी 100 प्रतिशत ब्याज छूट। 30 जून 2026 से पहले अपना बकाया संपत्तिकर जमा करवाकर सरकार द्वारा दी जा रही विशेष छूट का लाभ उठाएं। शहर के विभिन्न वार्डों में निगम पार्षदों, आरडब्ल्यूए, व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है। -सचिन गुप्ता, उपायुक्त

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
Run by : AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
C.B.S.E. AFFILIATION NO. 530982
दुहन पब्लिक रेजिडेंसियल स्कूल, जसिया/आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट, रोहतक
IIT/JEE MAIN 2026 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल के 5 विद्यार्थियों ने किया क्वालीफाइड
IIT/JEE MAIN 2026 QUALIFIED
IIT/JEE MAIN 2026 QUALIFIED
• Tanmay Gaud 95.68 Percentile • Anuj Lathwal 94.85 Percentile
• Kunal 93.46 Percentile • Subh Vashisth 91.89 Percentile • Nikita 87.15 Percentile
NEET/JEE SELECTION 2025 IN GOVT. MEDICAL COLLEGE / NIT'S
LAVANYA SAINI — Agartala Govt. Medical College, Agartala, Kunjaban, Agartala, Tripura West, Tripura — Rank : 22744 NEET SCORE -532
SACHIN — (Artificial Intelligence) IIT GUHATI-2025
TANNU NAIN — COLLEGE - PGIMS, ROHTAK MBBS — Rank : 5704
JEE-2025 QUALIFIED — VIR HOODA 94% ANKUR 96% ASHIYA 97.5%
IIT JEE ADVANCE 2024
ANSH DUHAN — S/o Dr. Ashok Duhan Sir — Rank : 11002
RISHABH — With Dr. Ashok Duhan Sir — CRL : 17548, OBC_NCL:4315
YASH LAMBA — With Dr. Ashok Duhan Sir — CRL : 11852
YURAJ VERMA — With Dr. Ashok Duhan Sir — Score : 660/720 Rank : 21714
NEET SELECTION 2024 IN MEDICAL COLLEGE
ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024 (MBBS)
SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024 (MBBS)
SANJEET BHARDWAJ NEET - 2024, Rank-5028 Marks : 685/720
DR. ASHOK DUHAN M.Sc., M.Ed., Ph.D. (Math) Lecturer In Math (Exp. 26 Years) (Ex. Lecturer in Jat Institution, Rohtak) Mob.: 9416148363, 9996059603
DR. SUNITA DUHAN HOD Chemistry Maharani Kishori Jat Kanya Mahavidyalaya, Rohtak Ex-Scientist FSL Madhuban Karnal Mob.: 93507 84933
PRINCIPAL MRS. ANU RANA 26 Yrs Exp. From Jat Institution Mob.: 9896205969
SECRETARY SANTOSH MALIK Mob.: 9253183528
Centre Head Katmandi, Rohtak Priya Rana Mob.: 90534 29354 Bio DPS JASSIA
Monika Saini Mob.: 99964 54960

THE AARYAN GROUP
THE AARYAN GLOBAL SCHOOL, 7 km Stone , Jhajjar Road, NH-352, Rtk., 708209901/03
THE AARYAN PUBLIC SCHOOL, Lakhan Majra, Rtk., 92543 43005
Vision, Determination, Commitment & Hardwork Lead to 'A Glorious Moment'
CBSE CLASS-X RESULT 2025-26 | OUR ACHIEVERS
99% NAINIKA HOODA
HARDIK 97.8% · CHESHTA 97.6% · AAKARSH SWACH 96.6% · RAVISH MALIK 95.6% · ADITYA SEHRAWAT 95% · SRISHTI 94.8% · TAMMANA 94.6% · AARYAVEER 94.2% · RAKSHITA 93.8% · ABHINAV 93.8% · DOLI 93.4%
YOGESH NARWAL 92.6% · SHOURYA 92.2% · KHUSHI AHLAWAT 92.2% · SANVEE SHARMA 92.2% · JAYA 92.2% · NILESH 92% · AARYAN 92% · MADHU 91.8% · TAMANNA 91.6% · ANUSHKA 91.6% · SHABAD 91.4% · HUNAR 91.2% · AKSHITA DUHAN 91.2% · AMISHA 91%
RAKHI 90.6% · YASH 90.6% · KHUSHI 90.4% · SUSHANT 90.4% · PRADEEP 90.2% · KHUSHI 90.2% · DEEPANSHU 90.2% · HARISH KUMAR 90% · PINKEE 90%
ADMISSION OPEN 2026-27 from NURSERY to IX & XI
CBSE CLASS-XII RESULT 2025-26 Our Achievers
1st PAAVNI 95.4%
3rd ISHA 94.4% · TANNU 93.8% · SUNAINA 93.6% · GARIMA 92.8% · SAKSHI 92.6% · KHUSHBU 92.6% · BRISHA SIKKA 92.2% · JYOTI 91.6%
2nd AARNAV 94.6% · 2nd ISHITA 94.6%
KAFI 91.2% · ATUL 90.2% · JAYANT 89.6% · ABHINAV DALAL 89.6% · DHANANJAY 88.6% · BHOOMI 88.4% · LAXMI 88% · YASHVARDHAN M 87.8%
AALOK SANGWAN 87.8 · RISHIKA 87.4% · KHUSHI 87% · MANNU 86.8% · ANTIM 86.8% · AARYAN KHOJI 85.8% · BHUMIKA 85.6% · NIDHI 85%
Heartiest Congratulations to the Students, Parents, Teachers and Well-wishers for the Excellent Result of Class XII & X Board Examinations.

खबर संक्षेप

बहलबा में खेत से रोटावेटर और अन्य सामान चोरी

महम। गांव बहलबा में एक खेत से रोटावेटर व अन्य सामान चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में बहलबा गांव निवासी संजयपाल ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। रात को उसने अपने खेत में बने कोठड़े के पास रोटावेटर मशीन, कोरजन दवाई की पेटी और कुछ लोहे का सामान रखा था। अगले दिन खेत में सामान नहीं मिला। पता चला कि इस सामान को गिरावड़ निवासी काकु पुत्र नरेश चोरी कर ले गया है।

नांदल गांव के खेत से सामान चोरी, केस दर्ज

लाखन माजरा। गांव नांदल के खेत से सामान चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में नांदल गांव निवासी कुलदीप ने बताया कि उसका खेत धनाना रोड पर है। रात को उसके खेत से कोई अज्ञात व्यक्ति गैस सिलेंडर, पीतल का हुक्का, 40 लीटर डीजल, स्प्रे मशीन, फोन का चार्जर, बैटरी, चाबी, पाने व हथौड़ी आदि सामान चोरी कर ले गया।

खरक जाटान के खेत से दो सोलर प्लेट चोरी

लाखन माजरा। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव खरक जाटान में एक खेत से ट्यूबवेल पर लगाई गई दो सोलर प्लेट चोरी हो गई। लाखन माजरा थाना में दी शिकायत में खरक जाटान निवासी आजाद सिंह ने बताया कि रात को किसी ने उसके खेत में ट्यूबवेल पर लगाई गई दो सोलर प्लेट चोरी कर ली। जब वह सुबह साढ़े 7 बजे खेत में गया तो तब पता चला।

18वीं जिला स्तरीय थांग-ता प्रतियोगिता 31 को

रोहतक। 18वीं जिला स्तरीय थांग-ता प्रतियोगिता 31 मई को कलानौर के शिव मंदिर कम्युनिटी सेंटर में आयोजित होगी। थांग-ता एसोसिएशन हरियाणा के महासचिव मदन लाल बागड़ी ने बताया की इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-14(सब-जूनियर), अंडर-18 (जूनियर), सीनियर वर्ग के लड़के व लड़कियां सभी खिलाड़ी भाग ले सकते है ।

कानून की पढ़ाई से होगी प्रशासनिक व न्यायिक सेवाओं तक राह आसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

स्टूडेंट गाइड

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए अपने विधि विभाग के अंतर्गत 5-वर्षीय बीए एलएलबी पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में कानून की बढ़ती अहमियत को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से 26 मई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। विधि विभाग अध्यक्ष प्रो. सोनू देहमीवाल ने बताया कि एमडीयू मेन कैंपस में इस कोर्स के लिए 120 सीटें निर्धारित हैं, जबकि गुरुग्राम स्थित एमडीयू-सीपीएएस में 240 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। यह दाखिले पूरी तरह से प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होंगे।

- सिविल पदों व सेवाओं में भर्ती और शिक्षण संस्थानों में मिलेगा आरक्षण का लाभ
- एमडीयू में बीए-एलएलबी दाखिले शुरू, 12वीं के बाद सीधे करें लॉ कोर्स
- 5 वर्षीय एकीकृत कोर्स से कम उम्र में मिलेगी कानूनी समझ
- एमडीयू मेन कैंपस में इस कोर्स के लिए 120 सीटें निर्धारित की गई

मदवि में 26 मई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

कम उम्र में ही कानूनी समझ

यह कोर्स छात्रों को केवल अदालती वकालत ही नहीं, बल्कि न्यायिक सेवाओं, कॉर्पोरेट जगत में इन-हाउस काउंसलिंग, प्रशासनिक सेवाओं और अंतरराष्ट्रीय कानून जैसे विविध क्षेत्रों में करियर बनाने के योग्य बनाता है। 12वीं कक्षा के तुरंत बाद शुरू होने वाला यह 5-वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम छात्रों को कम उम्र में ही कानूनी समझ और नीति-निर्माण की बारीकियों से अवगत कराता है।

इन क्षेत्रों में करियर के मौके

- **न्यायिक सेवाएं :** सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में सेवा करना।
- **कॉर्पोरेट सेक्टर:** बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य।
- **प्रशासनिक सेवाएं :** यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कानून एक सशक्त विषय के रूप में उभर रहा है।
- **सामाजिक क्षेत्र :** मानवाधिकारों की रक्षा और एनजीओ के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाना

प्रोफेशनल तैयार करना विवि का लक्ष्य

विश्वविद्यालय का लक्ष्य ऐसे प्रोफेशनल तैयार करना है जो न्याय प्रणाली के साथ-साथ समाज में मानवाधिकारों और प्रशासनिक सुधारों में भी सक्रिय भूमिका निभा सकें। आवेदन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के ऑनलाइन पोर्टल पर जारी है, और इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपनी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर लें।

पेट्रोल-डीजल 3 और सीएनजी 2 रुपये महंगी होने से अब आमजन पर बोझ

ऑटो चालकों ने ₹5 बढ़ाया किराया

अब बैठते ही देने होंगे 25 रुपये

मनोज वर्मा ⏭ रोहतक

अब सड़क पर चलना और महंगा हो गया है। पेट्रोल-डीजल 3 रुपये, सीएनजी 2 रुपये महंगी हुई तो ऑटो वालों ने किराया पांच रुपये बढ़ा दिया। रोहतक में अब ऑटो की एक सवारी के लिए यात्रियों को 20 रुपये की बजाय 25 रुपये चुकाने होंगे। यानी हर ट्रिप पर सीधे 5 रुपये ज्यादा खर्च करने पड़ेंगे। नए किराए 17 मई से लागू कर दिए गए हैं। ऑटो यूनियनों का कहना है कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के लगातार बढ़ते दामों ने उनकी कमाई घटा दी है। ऐसे में किराया बढ़ाना मजबूरी बन गया। वहीं दूसरी तरफ आम लोग इसे महंगाई का एक और बड़ा झटका मान रहे हैं। रोजाना ऑटो से सफर करने वाले लोगों की जेब पर इसका सीधा असर पड़ेगा। यह किराया सिर्फ रोहतक में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में बढ़ाया गया है। जिन जिलों में ऑटो का किराया प्रति सवारी 15 रुपये है, अब उन जिलों में प्रति सवारी 20 रुपये देने होंगे, जहां 20 रुपये किराया है वहां 25 रुपये देने पड़ेंगे, यानी प्रति सवारी पांच रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

इसलिए बढ़ाना पड़ा किराया

ईंधन के बढ़ते दामों की वजह से ऑटो चलाने का खर्च काफी बढ़ गया है। इसी कारण पूरे प्रदेश में प्रति सवारी 5 रुपये किराया बढ़ाने का फैसला लिया गया है। रोहतक में अब एक सवारी के लिए 25 रुपये देने होंगे।

रोहतक में ईंधन के रेट

ईंधन	कीमत
पेट्रोल	98.70 रुपये/ लीटर
डीजल	91.28 रुपये/ लीटर
सीएनजी	89.09 रुपये / किलो

- मजदूर, कर्मचारी, छात्र और महिलाओं को अब हर महीने अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा

बिगड़ेगा मासिक बजट

ऑटो किराया बढ़ने का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो रोज नौकरी, कॉलेज, स्कूल या बाजार जाने के लिए ऑटो का इस्तेमाल करते हैं। पहले जहां आने-जाने में 40 रुपये खर्च होते थे, अब वही सफर 50 रुपये में पड़ेगा। अगर कोई व्यक्ति महीने में 25 दिन ऑटो से सफर करता है तो उसका खर्च करीब 250 से 300 रुपये तक बढ़ सकता है। मजदूर, कर्मचारी, छात्र और महिलाओं को अब हर महीने अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा।

खर्च निकालना मुश्किल

ऑटो यूनियन के मुताबिक पिछले कुछ समय में ईंधन के दाम लगातार बढ़े हैं। सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि ऑटो की सर्विस, टायर, पार्ट्स और मेंटेनेंस का खर्च भी बढ़ चुका है। चालकों का कहना है कि पुराने किराए में गाड़ी चलाना घाटे का सौदा बन गया था। यूनियन नेताओं का कहना है कि अगर किराया नहीं बढ़ाया जाता तो कई चालकों के लिए रोज का खर्च निकालना मुश्किल हो जाता।

केवल रोहतक तक सीमित नहीं रहेगा फैसला

ऑटो यूनियनों ने साफ कर दिया है कि यह फैसला केवल रोहतक तक सीमित नहीं रहेगा। धीरे-धीरे हरियाणा के दूसरे शहरों में भी 17 मई से किराए का नया रेट लागू हो जाएगा। यूनियन का दावा है कि बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के कारण यह फैसला जरूरी हो गया था। महंगाई बढ़ने के साथ ही अन्य खर्चे भी बढ़ जाते हैं जिनको मेंटेन करने के लिए इस तरह के फैसले लेना मजबूरी हो जाती है। मंहगाई का असर समाज के हर तबके पर पड़ता है।

इन लोगों पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर

सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को होगी जो रोजमर्रा के कामों के लिए ऑटो पर निर्भर हैं। इनमें नौकरीपेशा कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र, बाजार आने-जाने वाली महिलाएं और दिहाड़ी मजदूर शामिल हैं। इन लोगों का रोज का सफर अब पहले से ज्यादा महंगा हो जाएगा। महंगाई की चेन रिएक्शन से बढ़ सकती हैं और कीमतेंअगर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम इसी तरह बढ़ते रहे तो आने वाले समय में सिर्फ ऑटो ही नहीं, बल्कि बस, टैक्सी और माल ढुलाई का खर्च भी बढ़ सकता है। इसका असर बाजार में रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। यानी आने वाले दिनों में आम आदमी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

नीट पेपर रद्द करने पर फूटा गुस्सा

एआईडीएसओ का प्रदर्शन एनटीए का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

छात्र संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आर्गेनाइजेशन (एआईडीएसओ) ने नीट पेपर लीक के खिलाफ महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के गेट नंबर दो पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया।

एआईडीएसओ के प्रदेश सचिव उमेश मौर्या ने कहा कि लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाएं परीक्षा और जांच एजेंसियों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि साल 2024 में हुए पेपर लीक की न तो सही जांच हुई और न ही दोषियों को सजा मिली, जिसके कारण ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि बिना उच्च पदों पर बैठे राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण के ऐसा संगठित भ्रष्टाचार संभव नहीं है। एनटीए पूरी तरह पारदर्शिता बरतने में विफल रहा है, इसलिए इस एजेंसी को तुरंत भंग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे एक तरफ गरीब और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए दाखिला मुश्किल हो जाता है, तो दूसरी तरफ करोड़ों रुपये का कोचिंग बिजनेस फल-फूल रहा है। उनकी मांगे न्यायिक निगरानी में पारदर्शी और समयबद्ध जांच हो। दोषियों को सख्त सजा दी जाए।

जांच की रिपोर्ट को पूरी तरह सार्वजनिक किया जाए। एनटीए को भंग कर सरकार खुद जवाबदेही के साथ परीक्षाएं आयोजित करे।इस विरोध प्रदर्शन में अमित, अमरदीप, मनीषा, जगजीत, अर्चना, नेहा, आशीष और कुलदीप सहित कई छात्र मुख्य रूप से शामिल रहे।

साल 2024 में हुए पेपर लीक की न तो सही जांच हुई और न ही दोषियों को सजा मिली

हादसे के बाद इंसानियत शर्मसार, मदद की बजाय युवक को बदमाश ने लूटा

थार सवारों ने बाइक को मारी टक्कर चेन, अंगूठी और नकदी छीनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कलानौर क्षेत्र में देर रात सड़क हादसे के बाद इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई। यहां एक तेज रफ्तार थार गाड़ी ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े, लेकिन उन्हें अस्पताल पहुंचाने की बजाय थार सवार बदमाश उनके गले से सोने की चेन, अंगूठी और करीब 20 हजार रुपये लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद राहगीरों ने दोनों घायलों को सड़क किनारे तड़पता देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को उपचार के लिए पीजीआई में भर्ती करवाया।

जानकारी के अनुसार, रोहतक निवासी आशीष और पवन भिवानी से आ रहे थे। जब वे कलानौर क्षेत्र के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार थार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद कुछ देर के लिए लगा कि थार चालक घायलों की मदद करेगा, लेकिन इसके उलट गाड़ी से उतरे युवकों ने घायल बाइक सवारों के गले से सोने की चेन, हाथ की अंगूठी और जेब में रखी नकदी निकाल ली और फरार हो गए। हादसे और लूट की वारदात के बाद दोनों युवक काफी देर तक सड़क पर घायल अवस्था में पड़े रहे। राहगीरों ने जब उन्हें देखा तो पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी

घटना के बाद पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि थार और आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस का मानना है कि आरोपी किसी संगठित गिरोह से जुड़े हो सकते हैं, जो सड़क हादसों के बाद लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते हैं। जांच अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

30 वर्ष की आयु में 39वीं बार रक्तदान

रोहतक। मोटिवेशनल स्पीकर एवं सामाजिक कार्यकर्ता विपुल शर्मा ने 39वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान किया। विपुल ने बताया कि वे प्रत्येक तीन महीने में नियमित रूप से रक्तदान करते हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही उन्होंने रक्तदान की शुरुआत की थी और अब 30 वर्ष की आयु में वे 39 बार निरंतर रक्तदान कर चुके हैं। विपुल ने कहा कि हमें नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए, ताकि रक्त की कमी को पूरा किया जा सके और जरूरतमंदों की समय पर सहायता हो सके। रक्तदान एक महादान है, जो कई जिंदगियां बचाने में सहायक होता है।विपुल ने इस अवसर पर एडिशनल नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट रमनजीत गिल का विशेष रूप से धन्यवाद किया।

जल शक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाएं: डीसी

पारंपरिक तालाबों, कुओं व अन्य जल निकायों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित किया जाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। बैठक में संबोधित करते उपायुक्त सचिन गुप्ता।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जल शक्ति अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त शनिवार को कैंप कार्यालय में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिए गए निर्देशों के उपरांत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाएं।

सचिन गुप्ता ने कहा कि यह अभियान पानी की बर्बादी रोकने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि आम नागरिकों, किसानों और महिलाओं की भागीदारी से इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देना होगा।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जिला के सभी जल स्रोतों के कायाकल्प के निर्देश देते हुए कहा कि पारंपरिक तालाबों, कुओं व अन्य जल निकायों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित किया जाए। उन्होंने जिला के शेष बचे सभी सरकारी भवनों पर रूफटॉप वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जल संचय के लिए निजी क्षेत्र में भी रूफटॉप वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर लगाए जाने चाहिए। इसके साथ ही सभी पार्कों में वर्षा जल संचय हेतु टैंक स्थापित करने के निर्देश दिए। सचिन गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल शक्ति अभियान तथा जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गांव में रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उद्योगों, स्थानीय निकायों, एनजीओ व सीएसआर संसाधनों के माध्यम से सहयोग जुटाकर जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर समय पर प्रगति अपडेट करने के साथ-साथ नियमित निगरानी करें।

प्रगति रिपोर्ट भेजें

इससे पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल शक्ति अभियान के तहत जल संचय जन भागीदारी एवं जल संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने अभियान को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में जल संचय जन भागीदारी 2.0 पोर्टल पर जिलों की प्रगति, जल शक्ति अभियान-2025 के अंतर्गत गतिविधियों की स्थिति तथा केंद्र सरकार द्वारा जारी अनुदान राशि की उपयोगिता प्रमाण पत्र की स्थिति की समीक्षा की गई।

CSC CENTRE
REQUIREMENT
COMPUTER OPERATOR
2 (FEMALE)
Knowledge: Internet, Online Form, Portals Photoshop, MS Office
Experience Preferred
Name: Abhimanyu
& : 9812515432
Circular Road, Opposite Devi Vihar, Near Jhajjar Chungi, HP Petrol Pump, Rohtak

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
MADINA (ROHTAK)
REQUIRES
PRINCIPAL
Lect. For all subjects
Qualification :
For Principal M.A., M.Ed. with 5 years experience
For Lect. M.A., M.Ed. with Min. 55% marks
Walk in Interview :- On all working days from 9.30 a.m. to 3.00 p.m.
Cont. No. : 8307117069, 9306840763
E-mail : adarshschoolmadina@gmail.com

रोहतक में प्रदूषण से जंग : रैंडम पौधरोपण नहीं, अब 'साइट-स्पेसिफिक' ग्रीन-बेल्ट की जरूरत

क्षेत्र की जरूरत के हिसाब से सही पौधों के चयन से ही सुधरेगी शहर की हवा

शोध में ट्रैफिक व औद्योगिक क्षेत्रों को ज्यादा प्रदूषण प्रभावित बताया

वैज्ञानिक पैमानों पर अध्ययन, अलग-अलग इलाकों के लिए अलग पौधारोपण मॉडल सुझाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

विशेष खबर

शहर में तेजी बढ़ रहा वायु प्रदूषण अब केवल मौसमी समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर पर्यावरणीय संकट बन चुका है। लगातार बढ़ते ट्रैफिक, औद्योगिक गतिविधियों, निर्माण कार्यों और धूल के कारण हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। ऐसे में केवल औपचारिक पौधारोपण अभियान चलाना समाधान नहीं हो सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण से प्रभावी लड़ाई के लिए रैंडम पौधारोपण नहीं, अब 'साइट-स्पेसिफिक' ग्रीन-बेल्ट यानी क्षेत्र की जरूरत के हिसाब से सही पौधों के चयन की जरूरत है। एमडीयू के हालिया शोध में सामने आया है कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रदूषण के प्रकार और स्तर के अनुसार अलग-अलग प्रजातियों के पेड़ लगाए जाने चाहिए। पर्यावरण को समझने के लिए पांच अलग-अलग 'लैंड-यूज़ ज़ोन' में मॉनिटरिंग की गई। इसमें कंट्रोल साइट (सामान्य क्षेत्र), आवासीय क्षेत्र (सेक्टर-2), व्यावसायिक क्षेत्र (जिला न्यायालय), ट्रैफिक ज़ोन (जींद चौक) और औद्योगिक (एचएसआईआईडीसी) क्षेत्र को शामिल किया गया। इन सभी जगहों पर स्थानीय पेड़ों नीम, बरगद, जामुन, पीपल और अमरूद का अध्ययन किया गया।

यह हो सकती है सही रणनीति : एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया जहां औद्योगिक धुआं, भारी वाहन प्रदूषण फैलाते हैं वहां नीम, पीपल, बरगद, जामुन और अर्जुन के पेड़ों की घनी ग्रीन बेल्ट+बोगनवेलिया व करौंदा की झाड़ियां उगाएं।

जींद बाईपास (ट्रैफिक ज़ोन) यहां वाहनों के उत्सर्जन व धूल से प्रदूषण होता है। यहां सड़क के किनारे पहले छोटी झाड़ियां(धूल रोकने के लिए), पीछे जगह होने पर नीम, जामुन और पीपल लगाएं।

जिला न्यायालय (कमर्शियल) में पार्किंग, गाड़ियों की आवाजाही की वजह से प्रदूषण है। इन क्षेत्रों में नीम, जामुन, अमरूद लगाएं। बाउंड्री पर धूल सोखने वाले हेज प्लांट्स लगाए जा सकते हैं।

सेक्टर-2 (आवासीय क्षेत्र) में घरेलू गतिविधियां, स्थानीय ट्रैफिक से प्रदूषण है। यहां अमरूद, जामुन, नीम, कचनार और अशोक लगाएं। पीपल व बरगद को केवल पार्कों में लगाएं।

घरों और कॉलोनियों के लिए सुझाव : शोधार्थी मोनी ने बताया कि छत या गमलों में तुलसी, एलोवेरा, स्नेक प्लांट, मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, अरीका पाम, लेमन ग्रास, खस, गुड़हल और कामिनी जैसे पौधे लगाएं। सड़क किनारे लो-लेवल हेजेज (घनी झाड़ियां) लगाना चाहिए।

यह भी किया जाए : प्रदूषण से निपटने का सही मॉडल 'पॉल्यूशन मैपिंग + साइट-स्पेसिफिक प्रजातियों का चयन + 3-साल का सर्वाइवल ऑडिट + मेंटेनेंस बजट' होना चाहिए।

इन्होंने किया शोध

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के पर्यावरण विज्ञान की विभाग अध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी नांदल के मार्गदर्शन में शोधार्थी मोनी के हालिया वैज्ञानिक मापदंडों पर आधारित अध्ययन में यह बात सामने आई है कि शहर के अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण के स्तर और प्रकार के हिसाब से ही पेड़ों का चयन होना चाहिए। यह अध्ययन वैज्ञानिक पैमानों जैसे एपीटीआई (एयर पॉल्यूशन टॉलरेंस इंडेक्स) और एपीआई (एंटीसिपेटेड परफॉर्मेंस इंडेक्स) पर आधारित है।

डॉ. मीनाक्षी नांदल

शोधार्थी मोनी

औद्योगिक और ट्रैफिक क्षेत्र रिस्क ज़ोन

रोहतक का सबसे ज्यादा रिस्क ज़ोन एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, जींद चौक (ट्रैफिक साइट) और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट (कमर्शियल एरिया) हैं। सेक्टर-2 जैसे आवासीय क्षेत्र मध्यम जोखिम में आते हैं, जबकि कंट्रोल साइट पर प्रदूषण का दबाव सबसे कम पाया गया। पब्लिक डेटा के अनुसार, रोहतक का वार्षिक औसत (यूएस एक्यूआई साल 2021 में 136, 2022 में 163, 2023 में 144, 2024 में 145 और 2025 में 167 रहा है, जो दिखाता है कि हवा की गुणवत्ता में कोई स्थायी सुधार नहीं हो रहा है।

शोध का यह आधार

एपीटीआई : इसमें पत्तियों के बायोकेमिकल पैरामीटर्स (एस्कॉर्बिक एसिड, कुल क्लोरोफिल, पत्ती के रस का, सापेक्ष जल सामग्री) की जांच होती है, जो बताते हैं कि पेड़ प्रदूषण को कितना सहन कर सकता है।

एपीआई : इसमें पेड़ की कैनोपी (छत्र), आकार, पत्तियों के लक्षण, कठिन परिस्थितियों में टिकने की क्षमता और सामाजिक-आर्थिक मूल्य को जोड़कर देखा जाता है।

क्यों फेल होती है प्लानिंग

डॉ. मीनाक्षी नांदल ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि हर साल हजारों पौधे तो लगाए जाते हैं, लेकिन जमीन पर उनका असर नहीं दिखता। इसकी मुख्य वजह है कि पौधारोपण को केवल संख्या से नापा जाता है, उनके जीवित रहने की दर से नहीं। दूसरी समस्या है संकरी सड़कों पर बड़े फैलाव वाले पीपल या बरगद लगा दिए जाते हैं, जिससे वे बिजली की लाइनों या अंडरग्राउंड पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचाते हैं।

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 17 मई 2026

5:30 बजे सुबह हार्ट रिट्रीवल टीम रोड से ट्रॉमा सेंटर ओटी पहुंची
3 घंटे तक चली प्रक्रिया में बारी-बारी अंग निकाले गए
150 पुलिस जवानों ने ऑर्गन पहुंचाने में निभाई भूमिका

गार्ड ने दी सलामी: दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर जब आमजनता फूलों को बरसाते हुए जब पार्थिव शरीर बाहर आया, तो अस्पताल परिसर में अंगदान महादान से गूंज उठा। डॉक्टरों और पीजीआई के गार्डों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। युवक के पिता ने रुंधे गले से कहा, डॉक्टरों ने राह दिखाई। उन्होंने कहा कि दो रास्ते थे, बेटा मिट्टी में जाएगा या 6 घरों में जिएगा, हमने जिंदगी चुनी। आज हमारा बेटा देश के काम आ गया।

सड़क हादसे में सिर पर लगी थी गहरी चोट, सिंचाई विभाग में कार्यरत था भिवानी का युवक

विशाल कर गया कमाल...मरकर भी 6 घरों को कर दिया रोशन

- युवक का हार्ट और लीवर दिल्ली भेजा गया
- एक किडनी आर्मी हॉस्पिटल चंडी मंदिर और दूसरी पीजीआईएमएस में मरीज को लगाई गई
- दो कॉर्निया पीजीआईएमएस के मरीजों को लगाए गए

रोहतक (हरिभूमि)। भिवानी का युवक विशाल शनिवार को हमेशा के लिए अमर हो गया। वह जाते-जाते वह 6 परिवारों की सांसें लौटा गया। शुक्रवार शनिवार की रात से शुरू हुई अंगदान की प्रक्रिया ने न सिर्फ मेडिकल इतिहास बनाया, बल्कि हरियाणा को पूरे देश में अंगदान के नक्शे पर एक अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है। पीजीआई के इतिहास में पहली बार पीजीआईएमएस में सेना के दो अस्पतालों की टीमें एक साथ पहुंचीं। एक टीम हेलीकॉप्टर से, दूसरी रोड से आई। सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल, दिल्ली की हार्ट रिट्रीवल टीम रोड से ट्रॉमा सेंटर ओटी में पहुंची। जल्दी ही कमांड हॉस्पिटल चंडीमंदिर से कर्नल डॉ अनुराग की टीम भी हेलीकॉप्टर से पहुंच गई। ओटी में करीब 3 घंटे तक चली प्रक्रिया में एक-एक कर अंग निकाले गए। करीब 150 से अधिक पुलिस जवानों ने समय पर अस्पतालों में ऑर्गन पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। युवक का हार्ट दिल्ली भेजा गया है। लीवर को दिल्ली के आरआर हॉस्पिटल भेजा गया है। एक किडनी आर्मी हॉस्पिटल चंडी मंदिर भेजी गई। एक किडनी पीजीआईएमएस में मरीज को लगाई गई है। दो कॉर्निया पीजीआईएमएस के मरीजों को लगाए गए हैं।

सरोकार

तीसरी बार रोहतक पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अंग पहुंचाए

36 घंटे बिना रुके किया काम

इतने बड़े स्तर पर मल्टीपल ऑर्गन रिट्रीवल और ट्रांसप्लांट को कोऑर्डिनेट करना चुनौती थी। हमारी एनेस्थीसिया, सर्जरी, माइक्रोलॉजी, पैथोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन,नर्सिंग, ब्लड बैंक, रेडियोलॉजी टीमों ने 36 घंटे बिना रुके काम किया।

मंत्री राव बोलीं, हमें अंगदान करने वाले परिवार पर गर्व

लैब्स का सराहनीय योगदान

अंगदान की सफलता के पीछे समय पर हुई जांचों का बड़ा हाथ है। नेफ्रोलॉजिस्ट और ऑर्गन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के नोडल अधिकारी डॉ. अंकुर गोयल ने बताया कि कल रात हमने इमरजेंसी में डोनर और रेसिपिएंट के क्रॉस-मैच सैंपल डॉ जसमीत की सहयोग से भेजे थे। एक निजी लैब की ओर से कल रात 6 घंटे से भी कम समय में क्रॉस-मैच रिपोर्ट उपलब्ध करवाई गई।

13 मई को हुआ हादसे का शिकार

13 मई की शाम भिवानी-दादरी मार्ग पर हुए सड़क हादसे में युवक विशाल को सिर में गंभीर चोट आई। उसे रोहतक के निजी अस्पताल लाया गया, जहां से मरीज को फिर पीजीआईएमएस ट्रॉमा सेंटर में लाया गया। यहां डॉ. तरुण यादव और उनकी टीम ने पूरी रात मरीज की देखभाल की ओर आज अंगदान संभव हो पाया।

हरियाणा बन रहा अंगदान का रोल मॉडलः ग्रोवर

पीजीआईएमएस में पहुंचे पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल की दूरदर्शी सोच का नतीजा है कि अंगदान में हरियाणा नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉक्टर रूप सिंह, निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल, जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉक्टर वरुण अरोड़ा, डॉ तरुण, सोटो के नोडल अधिकारी डॉक्टर सुखबीर सिंह, डॉ सुरेंद्र वर्मा, डॉ वरुण अग्रवाल, डॉ विवेक ठाकुर, डॉ अंकुर गोयल, डॉ गौरव,फॉरेंसिक मेडिसिन से डॉक्टर लव, डॉक्टर पंकज छिक्कारा, डॉ विनोद ,डॉ योगेश, डॉ परमजीत गिल, दिप्ती खरब, राजेश भड़, रोहित, टीओ दिलबाग सिंह का विशेष योगदान रहा।

नेक काम किया

भिवानी जिले के इस परिवार ने बहुत बड़ा नेक काम किया है। सबसे बड़े दुख की घड़ी में इन्होंने हिम्मत दिखाई। इनका बेटा अब 6 शरीरों में जिंदा है। एक बेटा खोकर इन्होंने 6 बेटे बचा लिए। इससे बड़ा धर्म कोई नहीं।
-डॉ. एच के अग्रवाल, कुलपति

खबर संक्षेप

एमडीयू की पीजी परीक्षाएं 20 मई से शुरू होंगी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने मई-2026 की स्नातकोत्तर (पीजी) परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। एमए, एमएससी और एमकॉम (सीबीसीएस स्कीम) के द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर (रेगुलर, री-अपीयर व इम्प्रूवमेंट) की परीक्षाएं 20 मई से शुरू होंगी। वहीं, 5 वर्षीय एवं 6 वर्षीय इंटीग्रेटेड पीजी पाठ्यक्रमों (एमए/एमएससी/एमकॉम/एमएफए) के दूसरे, छठे, पांचवे, छठे, आठवें, नौवें और दसवें सेमेस्टर (ओल्ड स्कीम) की परीक्षाएं भी 20 मई से आरंभ होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि इन प्रैक्टिकल परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

बीएड द्वितीय वर्ष की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 23 से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की बीएड/बीएड स्पेशल (सभी स्कीम) द्वितीय वर्ष की रेगुलर तथा री अपीयर की मई-2026 की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 23 मई से 10 जून तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि इन प्रैक्टिकल परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 5 चालकों के चालान

रोहतक। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिले के अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस टीमों ने अल्कोहल सेंसर के माध्यम से वाहन चालकों की जांच की। जांच अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 120 वाहन चालकों के चालान किए गए। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वाले पांच चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए उनके चालान काटे गए।

90 ग्राम चरस सहित युवक गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को 90 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार किया है। युवक की पहचान सोनू पुत्र चांद निवासी निंदाना के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया। एवीटी स्टाफ और पीओ स्टाफ की टीम बीडीएस स्कूल गांव निंदाना के पास गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गांव निंदाना निवासी एक युवक नशीले पदार्थ बेचने का काम करता है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए निंदाना से फरमाणा मोड़ के पास खड़े युवक को शक के आधार पर काबू किया।

सड़कों पर बेहोश हो रहे लोग

हीट स्ट्रोक भीषण गर्मी में लगातार बढ़ रही चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, बेहोशी जैसी शिकायतों वाले मरीजों की संख्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- इमरजेंसी के पास हीट स्ट्रोक मरीजों के लिए तैयार किया है 14 बेड का स्पेशल वार्ड

क्या हैं वजह

विशेषज्ञों के अनुसार लगातार बढ़ता तापमान, तेज धूप में लंबे समय तक रहना, शरीर में पानी की कमी और उमस हीट स्ट्रोक की मुख्य वजह हैं। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक गर्म हवाएं सबसे ज्यादा असर करती हैं। खेतों, निर्माण स्थलों और बाजारों में काम करने वाले लोग अधिक जोखिम में रहते हैं। पर्याप्त पानी नहीं पीना, खाली पेट बाहर निकलना और सिर को ढके बिना धूप में घूमना भी खतरा बढ़ा देता है।

यह है बचाव

डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। बाहर जाते समय सिर को कपड़े या टोपी से ढकें और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी, जूस, छाछ और ओआरएस का सेवन करें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। धूप से आने के तुरंत बाद बहुत ठंडा पानी पीने से भी बचने की सलाह दी गई है।

विशेष खबर

जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान के साथ अब हीट स्ट्रोक के मरीज भी अस्पतालों में पहुंचने लगे हैं। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों की तबीयत बिगड़ रही है। खासकर बुजुर्ग, छोटे बच्चे, खेतों में काम करने वाले मजदूर और बाहर ड्यूटी करने वाले कर्मचारी ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। बढ़ते मामलों को देखते हुए में विशेष तैयारी की गई है।

- 104 डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच रहा शरीर का तापमान

पीजीआईएमएस प्रशासन ने इमरजेंसी के पास हीट स्ट्रोक मरीजों के लिए 14 बेड का स्पेशल वार्ड तैयार किया है। हालांकि यहां अभी तक गिने चुने मरीज पहुंचे हैं। जबकि कई प्राइवेट अस्पतालों में हिट स्ट्रोक के मरीज पहुंच रहे हैं। कई मरीज बेहोशी की हालत में भी पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, शरीर में पानी की कमी और बेहोशी जैसी शिकायतों वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। कई मरीजों का शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच रहा है, जो गंभीर स्थिति मानी जाती है। चिकित्सकों का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने पर हीट स्ट्रोक जानलेवा भी साबित हो सकता है।

ये सावधानियां बरतें

यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, चक्कर, घबराहट, उल्टी, बेहोशी या सांस लेने में परेशानी हो तो उसे तुरंत छायादार स्थान पर ले जाएं। शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें और तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। मरीज को ओआरएस या पानी पिलाने का प्रयास करें, लेकिन बेहोशी की हालत में जबरदस्ती कुछ न दें। डॉक्टरों का कहना है कि शुरुआती एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है, इसलिए लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

धूप के संपर्क में आने से बचें

हीट स्ट्रोक के मरीज आने लगे हैं। कई मरीज बेहोशी की हालत तक पहुंच जाते हैं। जो उपचार के बाद ही स्वस्थ हो पाते हैं। लोगों को धूप के संपर्क में आने से बचना चाहिए। पानी ज्यादा पीना चाहिए। इसके अलावा जब स्वास्थ्य बिगड़े तो बिना देरी के अस्पताल पहुंचना चाहिए।
-डॉ रोहित अरोड़ा, चिकित्सक, वी केयर अस्पताल

हीटवेव का असर, मई में जून जैसी खपत

बिजली की डिमांड पीक पर मई में ही 82 लाख यूनिट पार

- *ट्रांसफार्मरों पर दबाव बढ़े, एसी-कूलर के इस्तेमाल से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली खपत*
- *ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और ट्रांसफार्मर फुंकने की शिकायतें बढ़ीं*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में मई महीने में ही भीषण गर्मी ने जून जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। तापमान बढ़ने के साथ ही जिले में बिजली की खपत तेजी से बढ़ रही है। हालात यह हैं कि पिछले साल जून महीने में जहां बिजली की अधिकतम मांग 85 लाख यूनिट तक पहुंची थी, वहीं इस साल मई के मध्य में ही डिमांड 82 लाख यूनिट के करीब पहुंच चुकी है। मौसम विभाग की ओर से अगले दस दिनों तक हीटवेव की चेतावनी जारी होने के बाद बिजली निगम की चिंता और बढ़ गई है। बढ़ती गर्मी के बीच घरों, दुकानों, दफ्तरों और उद्योगों में एसी, कूलर और अन्य बिजली उपकरण लगातार चलने से लोड तेजी से बढ़ रहा है। निगम अधिकारियों का मानना है कि यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में बिजली की मांग 99 लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर सकती है। लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर फुंक रहे है।

अगले दस दिन और बढ़ेगा पारा

मौसम विभाग ने अगले दस दिनों तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पार जाने की संभावना है, जिससे एसी-कूलर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण बिजली खपत भी बढ़ रही है।

चौबीस घंटे कूलिंग उपकरणों का इस्तेमाल

आमतौर पर बिजली की सबसे ज्यादा खपत जून और जुलाई में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही रिकॉर्ड स्तर पर बिजली इस्तेमाल हो रही है। बिजली निगम के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल जून महीने में जिले की अधिकतम बिजली मांग करीब 85 लाख यूनिट तक पहुंची थी। वहीं इस बार मई में ही खपत 82 लाख यूनिट तक जा पहुंची है। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

निगम के पास 99 लाख यूनिट तक की क्षमता

बिजली निगम अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल जिले में करीब 99 लाख यूनिट तक बिजली सप्लाई संभालने की क्षमता और स्टॉक उपलब्ध है। हालांकि यदि खपत इससे अधिक पहुंचती है तो परेशानी बढ़ सकती है। अधिकारियों का कहना है कि अभी स्थिति नियंत्रण में है।

निगम ने शुरू की विशेष तैयारी

बढ़ती डिमांड को देखते हुए बिजली निगम ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। संवेदनशील फीडरों की निगरानी बढ़ाई गई है और अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ट्रांसफार्मरों की जांच, ढीले तारों की मरम्मत और उपकरणों की देखरेख का काम तेज कर दिया गया है। कंट्रोल रूम को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी खराबी को तुरंत ठीक किया जा सके।

उपभोक्ताओं से बिजली बचाने की अपील

उपभोक्ताओं से जरूरत के अनुसार ही बिजली उपयोग करने की अपील की है। अनावश्यक बिजली उपकरण बंद रखें और एसी का तापमान संतुलित रखें ताकि बिजली पर अतिरिक्त दबाव कम हो सके। यदि लोग बिजली की बचत करेंगे तो ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी -**बिजेंद्र नरवाल**, एसई, बिजली निगम

दिल्ली में दो नामी कंपनी लगा रही हैं किट, हरियाणा में नहीं कोई नियम

आरटीओ से नहीं मिलेगी अनुमति

पुरानी कारों में इलेक्ट्रिक किट का जुगाड़ पड़ सकता है भारी, कई टू-व्हीलर गाड़ियों में लग चुकी आग

- डीजल गाड़ी दस साल और पेट्रोल गाड़ी 15 साल के लिए है मान्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब कई वाहन मालिक अपनी पुरानी गाड़ियों को इलेक्ट्रिक में बदलवाने की सोच रहे हैं। दिल्ली की कुछ निजी कंपनियां कारों में इलेक्ट्रिक कन्वर्जन किट लगाने का कार्य भी कर रही हैं, लेकिन हरियाणा में यह प्रक्रिया फिलहाल नियमों के दायरे में नहीं है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीओ) अधिकारियों का कहना है कि निजी वाहनों में इलेक्ट्रिक किट लगाने की अनुमति देने का कोई स्पष्ट प्रावधान मौजूद नहीं है। ऐसे में बिना अनुमति किट लगवाना वाहन मालिकों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं ऐसा करना खतरनाक भी साबित हो सकता

अलग खबर

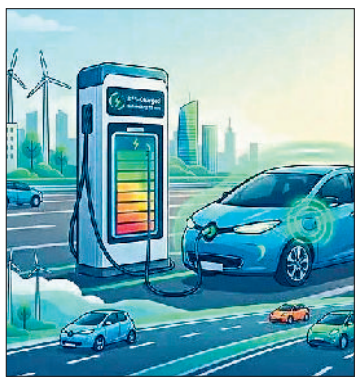

है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली की दो नामी कंपनियां पुरानी कारों को इलेक्ट्रिक वाहन में बदलने का काम कर रही हैं। इसके लिए वाहन के इंजन को हटाकर बैटरी और मोटर सिस्टम लगाया जाता है। कंपनियां दावा कर रही हैं कि इससे ईंधन खर्च कम होगा और प्रदूषण भी घटेगा। इसमें ढाई से पांच लाख तक खर्च आ रहा है। हालांकि हरियाणा परिवहन विभाग ने अभी तक ऐसी किसी व्यवस्था को मान्यता नहीं दी है। जबकि कुछ दुपहिया वाहन चालक प्राइवेट वर्कशॉप से इलेक्ट्रिक किट लगवा रहे हैं, जो आगे चलकर खतरनाक साबित हो सकती है। ऐसे वाहनों को सरकार की तरफ से कोई मान्यता भी नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी वाहन के मूल ढांचे और इंजन में बड़ा बदलाव करने के लिए विभागीय मंजूरी आवश्यक होती है। मौजूदा नियमों में निजी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने के लिए अलग से अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है। यदि कोई व्यक्ति बिना स्वीकृति के वाहन में बदलाव करता है तो उसका रजिस्ट्रेशन और बीमा दोनों प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही वाहन फिटनेस और सड़क सुरक्षा से जुड़े सवाल भी खड़े हो सकते हैं।

इतनी है वाहनों की मान्यता

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत डीजल वाहनों की अधिकतम आयु 10 वर्ष और पेट्रोल वाहनों की 15 वर्ष निर्धारित की गई है। कई वाहन मालिक इसी अवधि को बढ़ाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक किट लगवाने के विकल्प तलाश रहे हैं। मगर हरियाणा में ऐसे मामलों को लेकर अभी स्पष्ट नीति नहीं बनी है।

गलत तरीके से लगाई गई किट हो सकती है खतरनाक

ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी वाहन को इलेक्ट्रिक में बदलने के दौरान बैटरी की गुणवत्ता, वायरिंग, मोटर क्षमता और सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। गलत तरीके से लगाई गई किट आग लगने या तकनीकी खराबी जैसी घटनाओं का कारण बन सकती है। दुपहिया वाहनों में भी दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बेचने वाली कंपनियों की तरफ से भी कोई किट नहीं लगाई जा रही।

इलेक्ट्रिक वाहन में बदलने के लिए कोई योजना नहीं

किसी भी पेट्रोल, डीजल वाहन को इलेक्ट्रिक वाहन में बदलने के लिए कोई योजना नहीं है। पुराने वाहनों को बेचकर या एनसीआर से एनओसी निकलवा कर ले जाने के बाद लोगों को नया इलेक्ट्रिक वाहन ही खरीदना पड़ेगा। इस तरह के वाहनों के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं है। -**वीरेंद्र ढुल**, आरटीओ रोहतक

दिल्ली के गेस्ट टीचर का शव नहर में मिला

मानसिक तनाव में था, छह साल से चल रहा था इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जवाहर लाल नेहरू नहर में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने नहर में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद आईएमटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीजीआई के डेड हाउस भेज दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान बहादुरगढ़ निवासी करीब 32 वर्षीय भास्कर वशिष्ठ पुत्र रूप किशोर के रूप में हुई है। भास्कर दिल्ली के आत्माराम स्कूल में गेस्ट टीचर के रूप में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार वह पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था और 6 साल से इलाज भी जारी था।

लाल स्कूटी पर आया था

पुलिस जांच में सामने आया कि भास्कर लाल रंग की स्कूटी पर रोहतक आया था। उसकी स्कूटी जेएलएन नहर किनारे खड़ी मिली, जबकि पास ही नहर में शव पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया।

परिवार में पसरा मातम

घटना की सूचना मिलते ही परिजन रोहतक पहुंचे। युवक की मौत से परिवार सदमे में है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

की जा रही जांच

जेएलएन नहर में शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के बाद पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल एक्सपर्ट की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया था। **अश्वनी, आईएमटी थाना प्रभारी**

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

'नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

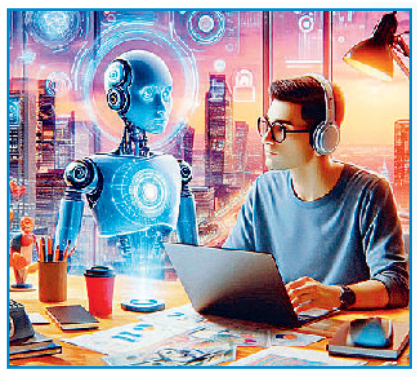

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड / अंजू जैन }

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

{ कविता / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

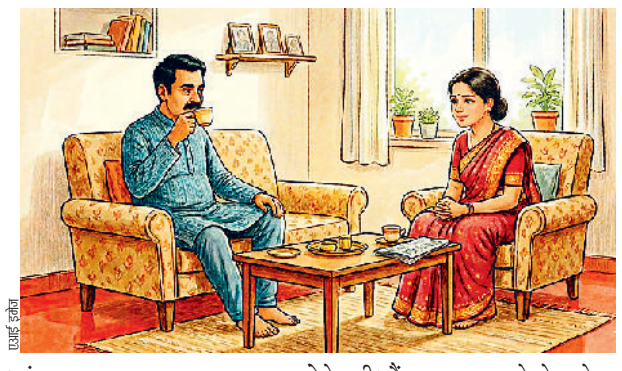

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रायश्चित कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

{ लघुकथाएं }

पापा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

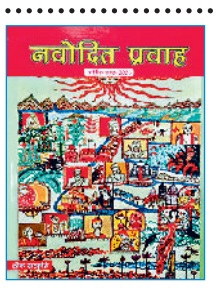

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

सुदर्शन सेंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सेंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सेंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सेंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगे भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा } स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

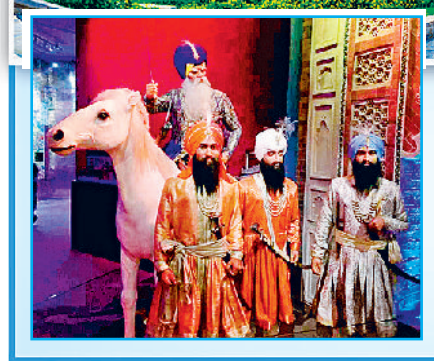

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एवियाफ्लिक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरू

2018-19 में कर्नाटक के बेगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म-ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरू में क्लिक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरू

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतिया दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

{ विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम }

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेढ़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

{ सक्सेस फंडा / नेहा जैन }

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल
लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजेंः आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएंः यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरेंः असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालेंः रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपने अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हो। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाईफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।

खबर संक्षेप

एमडीयू यूआईईटी में बीसीए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (बीसीए) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इच्छुक विद्यार्थी 26 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जबकि प्रवेश परीक्षा 12 जून को आयोजित की जाएगी। यूआईईटी निदेशक प्रो. विनीत कुमार सिंगला ने बताया कि बीसीए पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए किसी भी संकाय से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी पात्र हैं। सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 42.75 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं।

दतौड़ में बिल्डिंग मैटेरियल स्टॉक पर चोरी

सांपला। गांव दतौड़ में चोरों ने बिल्डिंग मैटेरियल के स्टॉक को निशाना बनाते हुए नकदी और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में व्यापारियों में चिंता का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव दतौड़ निवासी प्रवीन कुमार ने बताया कि वह बिल्डिंग मैटेरियल का कार्य करता है। शुक्रवार सुबह जब वह अपने स्टॉक पर पहुंचा तो वहां चोरी होने का पता चला। चोर करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी, एलईडी, बैटरी तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए। शिकायतकर्ता के अनुसार चोरी की वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई।

जहरीला पानी ड्रेन नंबर-8 में छोड़ा जा रहा

छह साल से बंद पड़ा 8 करोड़ का सीईटीपी

एनजीटी के आदेश भी बेअसर, स्लज की बदबू से लोग परेशान आसपास के नलकूपों का पानी दूषित होने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के दावों की पोल उस समय खुल जाती है जब करोड़ों रुपये की लागत से बना सीईटीपी वर्षों से बंद पड़ा हो और फैक्ट्रियों से निकलने वाला दूषित पानी सीधे ड्रेन में बहाया जा रहा हो। एचएसआईडीसी क्षेत्र में करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया सीईटीपी पिछले छह साल से ठप पड़ा है। आरोप है कि फैक्ट्रियों से निकलने वाला तेजाबयुक्त और रसायन मिला पानी बिना शोधन के सीधे ड्रेन नंबर-8 में छोड़ा जा रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंभीर प्रदूषण फैल रहा है।

कुताना के पूर्व सरपंच बलराज सिंह नांदल ने कहा कि कई बार प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और संबंधित विभागों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों के अनुसार ड्रेन में छोड़े जा रहे दूषित पानी का असर अब भूजल पर भी दिखाई देने लगा है। आसपास लगे कई नलकूपों का पानी दूषित हो चुका है और उसमें बदबू व रंग परिवर्तन जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों और कॉलोनीवासियों का कहना है कि इस पानी का उपयोग पीने तो दूर, घरेलू कार्यों में भी करना मुश्किल हो गया है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि फैक्ट्रियों से निकलने वाला स्लज खुले स्थानों पर डाला जा रहा है। पिछले काफी दिनों से खुले एरिया में जमा इस कचरे और रासायनिक अवशेषों से लगातार बदबू फैल रही है। गर्मी बढ़ने के साथ स्थिति और गंभीर हो गई है।

इन गांवों के किसान हो चुके परेशान

सांधी, सुनारियां, से लेकर काहनौर के किसान भी काफी परेशान हो चुके है। ड्रेन में यह तेजाबयुक्त पानी आने के कारण आसपास भी भूमि में भी दिक्कतें आनी शुरू हो गई है। कुछ जगहों पर खेती तक नहीं हो पाती है। ऐसे में एचएसआईडीसी को इसका स्थाई समाधान करना शुरू कर देना चाहिए। ताकि आमजन इसकी चपेट में न आ सकें।

ये हो रही समस्याएं

आसपास रहने वाले लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सुबह और शाम के समय बदबू इतनी अधिक हो जाती है कि घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने को मजबूर होना पड़ता है।

एनजीटी के आदेश के बाद भी कार्रवाई नहीं

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई बार सख्त आदेश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाया गया सीईटीपी बंद पड़ा है और उसकी देखरेख तक नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि यदि प्लांट को समय रहते चालू कर दिया जाए तो काफी हद तक प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

हर साल रखरखाव के लिए दिया जाता है ठेका

सीईटीपी के लिए हर साल रखरखाव को लेकर लाखों रुपये के टेंडर जारी किए जाते है। उसके बावजूद भी हालात ज्यों के त्यों बने हुए है। यहीं नहीं निकलने वाला सलच तक खुले में डाल दिया जाता है। वहां पर रोजाना लोग सैर के लिए आते है। लेकिन बदबू के कारण वह आते तो है लेकिन पूरी तरह से वह सैर नहीं कर पाते है।

समस्या का कारण

यहां पर जितनी भी फैक्ट्रीयां है वह सभी इलेक्ट्रोप्लेटेड सिस्टम है। जो की बहुत ही जहरीला पानी व गंद बाहर निकालती है। ऐसे में यह सीईटीपी इसे ट्रीट नहीं कर सकता। इसलिए यह सब समस्या बनी हुई है।
-राजीव डागर, इंचार्ज, एचएसआईआईडीसी

आंवल की बेटी ने रची सफलता की कहानी

उषा रानी मछली पालन कर बन गई आत्मनिर्भर

- बचपन के शौक ने मछली पालन के क्षेत्र में कदम बढ़ाने की प्रेरणा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महिला सशक्तिकरण और कृषि क्षेत्र में नवाचार का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए जिला के गांव आंवल निवासी (वर्तमान में दिल्ली के प्रीतमपुरा स्थित सैनिक विहार निवासी) 53 वर्षीय उषा रानी ने मछली पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उषा रानी ने बिना किसी औपचारिक पृष्ठभूमि के, केवल अपने बचपन के शौक और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर आज एक समृद्ध व्यवसाय खड़ा कर लिया है। 10वीं तक शिक्षित उषा रानी मूल रूप से एक गृहिणी थीं। मछली पालन के प्रति उनके लगाव ने उन्हें इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। इस सफर की शुरुआत 1984 में एक पंचायती तालाब से हुई थी, लेकिन उनके जीवन में बदलाव 2021 में आया।

मत्स्य संपदा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका बताई

वर्ष 2021 में उषा रानी ने रोहतक जिला की तहसील कलानौर स्थित आंवल रोड पर अपनी 4 एकड़ भूमि पर मछली पालन शुरू किया। उन्होंने 85,000 बीज स्टॉकिंग के साथ पंगासियस और आईएमसी प्रजातियों पर ध्यान केंद्रित किया। उनकी मेहनत का फल यह रहा कि मात्र एक वर्ष में उन्होंने 75 टन का उत्पादन किया और लगभग 11 लाख रुपए की आय अर्जित की। उषा रानी की इस सफलता में भारत सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस योजना के तहत उन्हें 9 लाख रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे उन्हें अपने कार्यों का विस्तार करने में बड़ी मदद मिली। आज वह 11 एकड़ भूमि पर मछली पालन कर रही हैं और उनकी वार्षिक आय बढ़कर 12 लाख रुपए तक पहुंच गई है। अपनी सफलता से उत्साहित उषा रानी अब अन्य लोगों को भी जलीय कृषि अर्थात एक्वाकल्चर के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना चाहती हैं।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाढ़ौत का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाढ़ौत का कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा। शानदार परिणाम से विद्यालय में खुशी का माहौल बना रहा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सरोज बहमनी ने विद्यार्थियों का स्वागत कर उनका मुंह मीठा करवाया और मालाएं पहनाकर बधाई दी। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास का परिणाम होती है। 12वीं कक्षा में राधिका, प्रियंका, काजल और अमित ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

हरियाणा के तरुण धनखड़ बने शटलकॉक चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नेशनल शटलकॉक चैंपियनशिप का आयोजन जिला स्तरीय छोटूराम स्टेडियम रोहतक में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में हिमांशु ग्रोवर ने टॉस कर प्रथम मैच का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजीव कुमार मित्तल अध्यक्ष शटलकाक एसोसिएशन हरियाणा, डॉ. मोहित धन्वंतरि एवं अनूप सिंह, जिला खेल अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसमें हरियाणा के तरुण धनखड़ शटलकॉक चैंपियन बने। सुदेश कुमार महासचिव शटलकॉक एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने बताया कि इस चैंपियनशिप में गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु तथा हरियाणा के चयनित खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर अगस्त माह में जर्मनी में आयोजित होने वाली वर्ल्ड शटलकॉक चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के परिणामों में जूनियर वर्ग में हरियाणा के तरुण धनखड़ ने महाराष्ट्र के शिवतेज कदम को पराजित किया। वहीं सीनियर महिला डबल्स वर्ग में हरियाणा-ए की अंकिता एवं पूजा प्रथम स्थान पर रहीं, हरियाणा-बी की ज्योति एवं दिव्या ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि दिल्ली की प्रीति एवं पूजा तीसरे स्थान पर रहीं। इस अवसर पर शटलकॉक हरियाणा के कानूनी सलाहकार देवेन्द्र सैनी, मनोज वशिष्ठ, ललित तंवर (जीएसटी निरीक्षक), अमित शर्मा, प्रदीप सैनी (सचिव, सैनी शिक्षण संस्थान रोहतक), धर्मेन्द्र कामरा हिसार, धर्मबीर पार्षद वार्ड नंबर-2, अमूल सामाजिक कार्यकर्ता, प्रिंस चावला, हिमांशु सोलंकी (राज्य सचिव गुजरात) आदि रहे।

रोहतक। प्रतियोगिता के दौरान मौजूद खिलाड़ी व मुख्य अतिथि। *फोटो :हरिभूमि*

ग्राम पंचायत ने फरमाणा खास गांव की गलियों से हटवाया कीचड़

- गंदे पानी की निकासी के लिए पाइप लाइन बिछाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

उपमंडल के फरमाणा खास गांव में बरसाती और गांव के गंदे पानी की निकासी का कोई समाधान नहीं है। तालाब ओवर फ्लो हो जाने की वजह से गंदा पानी गांव की गलियों में खड़ा रहता है। पिछले दो साल से लोगों के घरों के सामने गंदगी जमा थी। हरिभूमि समाचार पत्र ने 11 मई को ग्रामीणों की इस समस्या को अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। उसके बाद ग्राम पंचायत ने इस मामले में गंभीरता दिखाई है। गांव की सरपंच सविता ने तुरंत ट्रैक्टर ट्रॉली और मजदूर लगाकर गलियों की सफाई का काम शुरू करवाया। पिछले चार दिन से सफाई कर्मी गलियों की सफाई में जुटे हुए हैं। ट्रैक्टर के पीछे गोड़ी बांधकर कीचड़ को खींचकर गली में ढेर लगाया गया। उसके बाद उसको ट्रॉलियों में भरकर गांव से बाहर डाला गया। गलियों से कीचड़ उठ जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

महम। पंचायत द्वारा अब इस गली से कीचड़ साफ किया जा रहा है।

रास्ते पर बने जोहड़ तक बिछाएंगे पाइप लाइन: सरपंच

फरमाणा खास गांव की सरपंच सविता ने बताया कि गांव के गंदे और बरसाती पानी की निकासी नहीं हो पा रही। गांव के लिए यह एक गंभीर समस्या है। गांव में जोनावाला, बिलावाला और धामावाला तीन तालाब हैं। थोड़ी सी बरसात होते ही ये तीनों तालाब ओवर फ्लो हो जाते हैं। इस समस्या का स्थाई समाधान तो ड्रेन तक करीब 3 किलोमीटर लंबा नाला बनाने के बाद ही हो सकता है। गुगाहेड़ी रोड पर स्थित ड्रेन में गांव का गंदा व बरसाती पानी डाला जाए। यह सरकारी प्रोजेक्ट है। इसमें देरी हो सकती है। इसलिए फिलहाल गांव के इन तालाबों से कमासखेड़ा रोड पर खेतों में स्थित एक हेरामवाला तालाब तब 8 इंची पाइप लाइन बिछाई जाएगी। गर्मी के मौसम में तो वहां पर तालाब से किसान पानी को उठा लेंगे। लेकिन बारिश के दिनों में वह भी ओवर फ्लो हो जाएगा। इसलिए सरकार व प्रशासन से मांग है कि पानी निकासी के लिए ड्रेन तक नाला बनवाया जाए। जल्द ही गांव की पंचायत ग्रामीणों के साथ जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता व एसडीएम विपिन से मिलेगी।

क्रिएटिव कैनवास प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरे रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को जूनियर केजी और सीनियर केजी के विद्यार्थियों के लिए क्रिएटिव कैनवास प्रतियोगिता का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के लगभग 250 नन्हे विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कल्पनाशक्ति व रंगों के मेल से शानदार चित्र बनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस सफल आयोजन और प्रतियोगिता का संचालन विद्यालय की शिक्षिकाओं वीना सहगल, ऋतु वधवा, हरलीन, नीरज और रितिका द्वारा किया गया। शिक्षिकाओं ने प्रतियोगिता के दौरान बच्चों का मार्गदर्शन किया और उनका उत्साहवर्धन कर आत्मविश्वास बढ़ाया, जिससे यह कार्यक्रम बच्चों के लिए केवल एक प्रतियोगिता न रहकर आनंद और प्रेरणा का एक बेहतरीन अनुभव बन गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक निदेशक अंशुल पठानिया ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों के समग्र और मानसिक विकास में बेहद अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता, फाइन मोटर स्किल्स और आत्म-अभिव्यक्ति जैसे कौशल विकसित होते हैं। साथ ही बच्चों में आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतियोगी भावना की नींव भी मजबूत होती है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या सुनीता मोर और हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

रोहतक। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

ड्राइंग प्रतियोगिता में मोहित और संगम ने पहला स्थान हासिल किया

रोहतक। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

रोहतक। स्टडी फॉर एज ट्रस्ट द्वारा शनिवार को नालंदा पब्लिक स्कूल में तीसरी ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल डायरेक्टर अनीता और प्रिंसिपल दिनेश राठी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 10 स्कूलों के 110 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्था की प्रधान पूजा कौशिक ने बताया कि प्रतियोगिता को तीन ग्रुपों में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रोहतक के डीएम भूपेंद्र श्योराण और संस्था के प्रधान मनजीत बुधवार द्वारा किया गया। संस्था के सदस्य अजीत मेहरा और दीपक जांगड़ा ने परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि पहले ग्रुप (पांचवीं से नीचे) में कीआ प्रथम, खुशी द्वितीय व देव तृतीय स्थान पर रहे।

कुलपति ने भविष्य की चिकित्सा तकनीकों पर केंद्रित पुस्तक का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. चरण सिंह द्वारा संपादित पुस्तक- एक्सोसम बेस्ड बायोवेक्टर्स फॉर थेराप्यूटिक्स एंड डायग्नोस्टिक एप्लीकेशंस का कुलपति कार्यालय में लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक, प्रो. गोविंद सिंह, प्रो. महेश कुमार, प्रो. राकेश मरवाह और प्रो. अनुराग खटकड़ मौजूद रहे।

पुस्तक में एक्सोसोम आधारित बायोवेक्टर की चिकित्सीय एवं रोग निदान में बढ़ती भूमिका, लक्षित दवा वितरण, पुनर्योजी चिकित्सा और प्रिसिजन मेडिसिन जैसे विषयों पर नवीन शोधों को समाहित किया गया है।

कुलपति ने डॉ. चरण सिंह को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे शोध आधारित प्रकाशन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साथ शोध संस्कृति को नई ऊर्जा देते हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक ने कहा कि उभरते फार्मास्युटिकल क्षेत्रों में इस प्रकार की पुस्तकें विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होंगी।

रोहतक। भविष्य की चिकित्सा तकनीकों पर केंद्रित पुस्तक का लोकार्पण करते कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया। *फोटो :हरिभूमि*

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिटौली में कनिष्का ने पहला स्थान हासिल किया

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिटौली ने इस वर्ष भी शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार परिणाम प्राप्त किया है। विद्यालय का परिणाम पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अत्यंत सराहनीय रहा, जिससे विद्यालय, अभिभावकों एवं पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है।

कक्षा बारहवीं में विद्यालय की छात्रा कनिष्का ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि रिया ने 90 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान एवं काजल ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। बारहवीं कक्षा में कुल 24 विद्यार्थियों ने मेरिट के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चांद लगाए। कक्षा दसवीं का परिणाम भी अत्यंत शानदार एवं प्रेरणादायक रहा, जिसमें कुल 14 विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। दसवीं में विद्यालय की छात्रा अंजलि पुत्री राजेश ने 91.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं दीपांश पुत्री संदीप ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया तथा जिया पुत्री रविंदर ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय व गांव का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने जिला स्तरीय प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

अंत्योदय से संतृप्ति तक हर पात्र तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय से संतृप्ति का जो मॉडल सामने आया है, वह केवल योजनाएं बनाने का नहीं, बल्कि पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने का अभियान है। शनिवार को रोहतक भाजपा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय भारतीय चिंतन की मूल भावना है। एकात्म मानववाद के दर्शन से निकला यह विचार केवल किसी व्यक्ति को आर्थिक सहायता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के सम्मान, आत्मनिर्भरता और अवसरों की समान उपलब्धता का मार्ग प्रशस्त करता है। एकात्म मानववाद को गहराई से आगे बढ़ाएं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी गरीब, किसान, महिला, युवा, मजदूर या वंचित व्यक्ति सरकारी लाभ से वंचित न रहे।

रोहतक। जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करते सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा।

सरकार हर नागरिक को जिम्मेदार और भागीदार नागरिक बनाने के मूल मंत्र पर कर रही काम

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा से पूर्व सरकारें योजनाएं घोषित करती थी, लेकिन अनेक पात्र लोग जानकारी, भ्रष्टाचार या संसाधनों की कमी के कारण लाभ से वंचित रह जाते थे। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सुनिश्चित कर रहे हैं कि जो योजनाएं बनें वो जनकल्याण और सशक्तिकरण का माध्यम बनें। उन्होंने कहा कि यह योजनाएं आमजन को लाभार्थी बनाने तक सीमित नहीं है। सरकार हर नागरिक को जिम्मेदार और भागीदार नागरिक बनाने के मूल मंत्र पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र नागरिक योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि हर बूथ पर पात्र परिवारों की सूची तैयार करते हुए अलग-अलग योजना के मापदंडों के अनुसार लाभार्थी की पहचान की जाए। इससे पूर्व सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका, प्रशिक्षण पर्यवेक्षक अरविंद यादव, प्रशिक्षण संयोजक पूर्व विधायक सरिता नारायण, प्रशिक्षण प्रभारी प्रतिभा सुमन, जिला प्रशिक्षण प्रमुख हरिओम माली, प्रदर्शनी संयोजक अशोक खुराना एवं बड़ी संख्या में सक्रिय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सांपला: एक ही रात में दो मोटरसाइकिल चोरी

सांपला। क्षेत्र में वाहन चोर सक्रिय नजर आ रहे हैं। एक ही रात में सांपला शहर और गांव इस्माइला 9बी से दो मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में गिझी रोड स्थित वार्ड नंबर-1 निवासी अशोक कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी सीटी-100 मोटरसाइकिल घर के सामने गली में खड़ी की थी। सुबह उठकर देखा तो बाइक वहां से गायब मिली। काफी तलाश करने के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। वहीं दूसरे मामले में गांव इस्माइला 9बी निवासी सागर ने बताया कि वह अपने परिचित मंजीत की हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल लेकर घर आया था। रात को बाइक घर के सामने घेर में खड़ी कर वह सो गया। सुबह उठने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली।

आईपीएल के चलते आज देर तक चलेगी मेट्रो रेल

बहादुरगढ़। आईपीएल के चलते दिल्ली में होने वाले क्रिकेट मैचों को लेकर डीएमआरसी भी अपनी सेवाओं में फेरबदल कर रही है। जब भी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मैच होते हैं तो डीएमआरसी अंतिम ट्रेन के समय में विस्तार कर देती है। अब रविवार 17 मई की रात को तमाम लाइनों पर अंतिम गाड़ी के समय में एक से तीन घंटे तक का विस्तार किया गया है। मैच देखने के बाद लोगों को अपने घर जाने में परेशानी न हो, इसलिए डीएमआरसी यह कदम उठा रही है। बहादुरगढ़ से भी काफी लोग मैच देखने दिल्ली जाते हैं। लिहाजा यह सुविधा इन यात्रियों के लिए भी मददगार साबित होगी।

बहादुरगढ़ में कार की चपेट में आए युवक की रोहतक पीजीआई में मौत

बहादुरगढ़। गांव पाहसौर में गाड़ी की चपेट में आकर घायल हुए युवक ने पीजीआई रोहतक में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों के बयान पर पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। इस संबंध में आरोपी कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान यतिन के रूप में हुई है। वह गांव खातीवास का रहने वाला था। यतिन गुरुग्राम स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। गत 13 मई की सुबह वह स्कूटी पर सवार होकर गुरुग्राम से अपने गांव लौट रहा था। करीब साढ़े छह बजे जब पाहसौर के पास पहुंचा तो कार की चपेट में आ गया। उसे झज्जर के अस्पताल ले जाया गया।

बहादुरगढ़: जनगणना में ढिलाई, दो पर कार्रवाई

बहादुरगढ़। नगर परिषद ने जनगणना 2027 के कार्य में लापरवाही बरतने वाले दो कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी एवं चार्ज ऑफिसर संजय रोहिल्ला द्वारा सिटी थाना बहादुरगढ़ को पत्र भेजकर एक जेटीबी शिक्षिका और एक आंगनबाड़ी हेल्पर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आग्रह किया है। दोनों कर्मचारियों पर राष्ट्रीय जनगणना ड्यूटी में जानबूझकर अनुपस्थित रहने, कार्य शुरू न करने और अधिकारियों से संपर्क तोड़ने के आरोप हैं।

जहरीला पदार्थ निगलने से पूर्व फौजी की जान गई

झज्जर। गांव खेड़ी खुम्मार में एक व्यक्ति की जहरीला पदार्थ निगलने के कारण मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 45 वर्षीय चरण सिंह पुत्र दयाराम के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, चरण सिंह आर्मी से सेवानिवृत्त था। उसने शनिवार की सुबह कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया। जब तबीयत बिगड़ी तो परिजन उसे उपचार के लिए उसे शहर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी प्रवीण ने बताया कि परिजनों के बयान पर इत्तफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है।

हांसी ब्रांच नहर किनारे मुठभेड़, दो के पैर में लगी गोली, तीसरा भागते समय घायल

जींद में एनकाउंटर के बाद रोहतक के दो बदमाश दबोचे, हथियार बरामद

घटना स्थल से दो पिस्तौल और एक बाइक मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जींद पुलिस और बदमाशों के बीच शुक्रवार देर रात उस समय फिल्मी अंदाज में मुठभेड़ हो गई, जब डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने बड़ा बीड़ वन स्थित हांसी ब्रांच नहर के पास तीन संदिग्ध युवकों को घेर लिया। पुलिस की चेतावनी के बावजूद बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, तीसरा आरोपी भागने की कोशिश में घायल हो गया। पुलिस ने तीनों को काबू कर उनके कब्जे से दो पिस्तौल और एक बाइक बरामद की है। अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई। घायल बदमाशों को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पुलिस सुरक्षा में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, डिटेक्टिव स्टाफ को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़ा बीड़ वन के पास हांसी ब्रांच नहर किनारे तीन युवक हथियारों के साथ बैठे हैं। सूचना में आशंका जताई गई थी कि आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसके बाद डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने तुरंत इलाके में दबिश दी।

रोहतक में कई मामलों में थे वांटेड तीनों किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे

पुलिस को देखते ही शुरू कर दी फायरिंग

जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवकों को सरेंडर करने के लिए कहा, तभी बदमाशों ने अचानक पुलिस पार्टी पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। एक गोली पुलिस वाहन में लगी, जबकि बुलेटप्रूफ जैकेट पहने एक जवान बाल-बाल बच गया। अचानक हुई फायरिंग से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। पुलिस टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। क्रॉस फायरिंग के दौरान दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी और वे मौके पर ही गिर पड़े। तीसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे भी दबोच लिया। इस दौरान वह घायल हो गया।

एक किलोई और दूसरा ढ़िगाना का

पुलिस जांच में सामने आया है कि पकड़े गए तीनों बदमाश रोहतक जिले में कई आपराधिक मामलों में वांटेड चल रहे थे। घायल बदमाशों की पहचान किलोई निवासी भगता (25) और ढिगाना निवासी अक्षय (31) के रूप में हुई है। वहीं तीसरे आरोपी की पहचान करेला निवासी अंकित (25) के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक, तीनों आरोपियों का नाम 12 फरवरी को सदर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना में भी सामने आया था। इसके अलावा उन पर मारपीट, अवैध हथियार रखने और जानलेवा हमले जैसे कई मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क और अन्य वारदातों की जानकारी जुटा रही है।

मौके से हथियार और बाइक बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी ली। इस दौरान दो अवैध पिस्तौल और एक बाइक बरामद हुई। माना जा रहा है कि आरोपी इसी बाइक पर सवार होकर इलाके में घूम रहे थे और किसी वारदात की तैयारी कर रहे थे। पुलिस हथियारों की जांच कर रही है कि उनका इस्तेमाल किन-किन घटनाओं में किया गया है। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस ने नहर किनारे पड़े खाली कारतूस भी कब्जे में लिए हैं।

एसपी बोले- अपराधियों पर लगातार कार्रवाई जारी

एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने साहस और सतर्कता दिखाते हुए तीन बदमाशों को काबू किया है। उन्होंने कहा कि बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसके जवाब में कार्रवाई की गई। दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी है, जबकि तीसरा आरोपी पकड़ने के दौरान घायल हुआ। एसपी ने कहा कि तीनों आरोपियों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। जिले में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी भी हालत में कानून व्यवस्था बिगड़ने नहीं दी जाएगी।

इलाके में दहशत, लोगों ने सुनी गोलियों की आवाज

देर रात हुई इस मुठभेड़ से आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने लगातार कई गोलियों की आवाज सुनी, जिसके बाद लोगों ने घरों से बाहर निकलना बंद कर दिया। कुछ देर बाद भारी पुलिस बल को इलाके में पहुंचते देखा गया। लोगों का कहना है कि नहर किनारे का इलाका रात के समय काफी सुनसान रहता है और यहां पहले भी संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं।

रोहतक। बोर्ड परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल में मंदीप अव्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

विद्यालय की मेरिट सूची में मंदीप 93 फीसदी अंक लेकर प्रथम रहा

नवयुग शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल का इस वर्ष भी परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय ,अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय की मेरिट सूची में मंदीप ने 93% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। भावना ने 92% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि नूरी यादव और हिमांशी ने 87% अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त 25 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया एवं बाकी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से बाहरवी की परीक्षा पास की। प्रिंसिपल शकुंतला अहलावत ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर अवसर प्रदान करता रहेगा। नवयुग प्रबंधन समिति के निदेशक सुरेश चंद्र ने सभी विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना की।

विद्या भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांपला ने किया छात्राओं का स्वागत

बोर्ड परीक्षा में खुशी-जाह्नवी का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

■ विद्यालय में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित

बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद विद्या भारती वरिष्ठ माध्यमिक मखुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यालय की छात्राओं खुशी पुत्री अशोक और जाह्नवी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विज्ञान संकाय में खुशी ने सांपला खंड में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल, परिवार और क्षेत्र को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा दोनों छात्राओं का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय पहुंचने पर छात्राओं का फूलमालाओं, तालियों और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। स्कूल परिसर में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने दोनों छात्राओं की सफलता पर खुशी व्यक्त की।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर हरबीर, सौरभ सैनी, रमेश, अर्पणा, नीलम, आशा और स्नेहा सहित स्कूल स्टाफ ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि छात्राओं की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

विद्यालय के निदेशक संदीप भारद्वाज और प्रिंसिपल सुमन भारद्वाज ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत शानदार रहा है, जिससे पूरे विद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

आतंकी धमकी मिलने के बाद सोनीपत के स्टेशनों पर हाई अलर्ट

सोनीपत। पंजाब में कुछ समय से बढ़ती आतंकी गतिविधियों और धमकी भरे पत्र मिलने से बढ़ते तनाव को लेकर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) व राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सोनीपत के अंतर्गत आने वाले सभी स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। स्टेशनों के साथ दिल्ली-पंजाब रूट पर गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है। रेलवे पुलिस ने स्टेशनों के साथ ट्रेनों में भी सुरक्षा व गश्त को बढ़ाया है। छोटे स्टेशनों पर अलग से जवानों की तैनाती की गई है। साथ ही जीआरपी-आरपीएफ ने दिल्ली से आई डॉग स्क्वॉड टीम के साथ जांच अभियान चलाकर स्टेशन के चप्पे-चप्पे को खंगाला। बता दें कि 27 अप्रैल की रात शंभू-अंबाला रेल मार्ग पर बम धमाके से रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा था। इसके बावजूद पंजाब के नेताओं व स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे पत्र मिलने के बाद दिल्ली व अंबाला आरपीएफ-जीआरपी मुख्यालय से निर्देश मिलने पर आरपीएफ-जीआरपी ने सुरक्षा को कड़ा कर दिया है।

मेरा शहर मेरी समस्या (पहल) किला मोहल्ला

पानी सड़कों पर तो खूब बहता है पर घर तक नहीं पहुंचता

जुलाहों वाले चौक पर पानी लीकेज से लोग परेशान, पार्षदों और जेई ने किया निरीक्षण

स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी

जल्द कार्रवाई से राहत मिलेगी

तकनीकी टीम द्वारा समस्या की जांच की गई है। बूस्टर लाइन में लीकेज को जल्द ठीक करवाया जाएगा तथा जिन क्षेत्रों में पानी कम पहुंच रहा है वहां सप्लाई सिस्टम की भी लोगों ने उम्मीद जताई कि जल्द कार्रवाई होने से उन्हें राहत मिलेगी।

-भूदेव, कनिष्ठ अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

वार्ड नंबर-7 स्थित जुलाहों वाले चौक पर पिछले कई दिनों से पानी के बूस्टर से हो रही लीकेज और आसपास के क्षेत्रों में कम जलापूर्ति की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बनी हुई है। लगातार शिकायतें मिलने के बाद वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल, वार्ड-5 के पार्षद सुरेश किराड़ और जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेई) भूदेव ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने बताया कि जुलाहों वाले चौक पर बूस्टर से लगातार पानी लीकेज हो रहा है, जिससे बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह रहा है। वहीं किले मोहल्ले सहित आसपास के कई इलाकों में घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। लोगों का कहना है कि सुबह और शाम के समय पानी का दबाव इतना कम रहता है कि जरूरी घरेलू कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्या को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने बताया कि लगातार शिकायतें मिलने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया गया है। बूस्टर से हो रही लीकेज को जल्द ठीक करवाया जाएगा ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके। साथ ही जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हो रही है वहां पाइपलाइन और सप्लाई सिस्टम की भी जांच करवाई जाएगी।

जल्द समाधान का दिया आश्वासन

पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा

गर्मी के मौसम में पानी की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन जाती है। कई घरों में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच रहा, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। उन्होंने विभाग से मांग की कि समस्या का स्थायी समाधान किया जाए ताकि लोगों को बार-बार परेशानी का सामना न करना पड़े। -कपिल नागपाल, पार्षद

बूस्टर से पानी बह रहा

पिछले कई दिनों से बूस्टर से पानी लगातार बह रहा है, लेकिन विभाग की ओर से समय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक तरफ लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं और दूसरी तरफ हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई थी। -रोहित मग्गू

गर्मी में और परेशानी बढ़ी

कई दिनों से पर्याप्त पानी नहीं आ रहा। सुबह जल्दी उठकर पानी भरना पड़ता है, लेकिन कम प्रेशर के कारण जरूरत भर पानी भी नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में परेशानी और बढ़ गई है तथा महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही है। -अनमोल उप्पल

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

समुद्र की लहरों और ठंड के बीच भी नहीं रुके, 33 किलोमीटर लंबी यात्रा की तय

थाना कलां के मुकुल दहिया ने 12 घंटे 35 मिनट में पार किया फॉल्स बे, बर्फीले समुद्र में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

उपमंडल के गांव थाना कलां के मुकुल दहिया ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में दुनिया की सबसे कठिन ओपन-वॉटर स्विमिंग चुनौतियों में शामिल फॉल्स बे क्रॉसिंग को सफलतापूर्वक पूरा कर नया इतिहास रचा है। मुकुल दहिया ने मिलर्स प्वाइंट से रुई एल्स तक लगभग 33 किलोमीटर लंबी यात्रा को तैरकर 12 घंटे 35 मिनट में पूरा किया है। इस दौरान उन्होंने समुद्र के 12 से 15 डिग्री सेल्सियस बर्फीले पानी, अटलांटिक महासागर की ऊंची लहरों और खतरनाक समुद्री धाराओं का सामना किया। फॉल्स बे को दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण ओपन-वॉटर स्विम्स में गिना जाता है। मुकुल दहिया पूर्व सरपंच बलराम दहिया के पुत्र हैं और लंबे समय से ओपन-वॉटर स्विमिंग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खरखौदा। समुद्री तैराकी पूरी करने के बाद तिरंगा लहराते मुकुल दहिया।

यह उपलब्धि उनके करियर की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलताओं में से एक मानी जा रही है। यह क्षेत्र अपने अप्रत्याशित मौसम, बर्फीले पानी, शक्तिशाली धाराओं और ग्रेट व्हाइट शार्क की मौजूदगी के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है।

खरखौदा। समुद्र में तैराकी करते मुकुल दहिया। *फोटो : हरिभूमि*

12 डिग्री रहता है पानी का तापमान

तैराकी के दौरान मुकुल को समुद्र में कई दुर्लभ समुद्री जीवों का साथ भी मिला। तैराकी शुरू होने के करीब दो घंटे बाद सफेद डॉल्फिन का एक झुंड उनकी सपोर्ट बोट के साथ-साथ तैरता दिखाई दिया। लगभग 45 मिनट तक डॉल्फिन मुकुल के आसपास तैरती रहीं, जिससे उन्हें मानसिक ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला। मुकुल ने बताया कि एक पल के लिए वह ठंड और थकान भूल गया। फॉल्स बे में डॉल्फिन के साथ तैरना उसके जीवन का सबसे अद्भुत अनुभव था। इसके बाद केप फर सील्स भी उनके आसपास दिखाई दीं। पूरी टीम ने इसे जीवन में एक बार दिखने वाला अनुभव बताया। इस उपलब्धि में उनके कोच रोहन मोरे का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन में मुकुल ने इस कठिन चुनौती की तैयारी की थी। मुकुल की इस सफलता पर उनके पिता पूर्व सरपंच बलराम दहिया भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि 12 डिग्री तापमान वाले पानी में 12 घंटे से ज्यादा तैरना आसान नहीं होता। उसने हरियाणा की मिट्टी का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी मुकुल की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है। फॉल्स बे की तैराकी को दुनिया की सबसे कठिन समुद्री तैराकियों में गिना जाता है और इसे पूरा करने वाले तैराकों की संख्या बेहद कम है।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में शनिवार को ज्येष्ठ अमावस्या पर हवन में आहुति डालते गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी और भक्तजन।

संकट मोचन मंदिर में ज्येष्ठ अमावस्या पर हुआ हवन

■ भक्तों ने मांगी कामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री जी के सानिध्य मेंज्येष्ठ अमावस्या पर शनिवार को श्रद्धा, भक्तिभाव और मंत्रोच्चरण से हवन का आयोजन किया गया। गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी सहित भक्तजनों ने हवन में आहूति डालकर मनोकामनाएं व दुआएं मांगी। पंडित अशोक शर्मा द्वारा प्रसाद वितरित हुआ। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी।

हवन-यज्ञ से मनुष्य स्वस्थ व निरोगी जीवन व्यतीत करता है : साध्वी मानेश्वरी देवी

साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि हवन में प्रयोग की जाने वाली सामग्रियों का विशेष महत्व है क्योंकि जब उनकी आहुति दी जाती है तो वें सुक्ष्म से सुक्ष्म विषाणुओं का नाश करती हैं और सूक्ष्म रूप में हवा से पर्यावरण शुद्ध करती हैं। हवन यज्ञ करके मनुष्य स्वस्थ और निरोगी जीवन व्यतीत करता है और धार्मिक आस्था को बढ़ावा मिलता है। हवन में बैठने मात्र से ही मानव के जानलेवा रोग फैलाने वाले जीवाणु खत्म होते हैं और शरीर शुद्ध व पवित्र होता है।

PATHANIA PUBLIC SCHOOL

Estd. 1985

C.B.S.E. | CAMBRIDGE INTERNATIONAL EDUCATION

CAMBRIDGE

Congratulates Students, Parents & Teachers

CBSE CLASS-X RESULT (2025-26) 90% and ABOVE

90% AND ABOVE 94 STUDENTS

DISTINCTIONS 181 STUDENTS Out of 212 Students

SCHOOL TOPPER

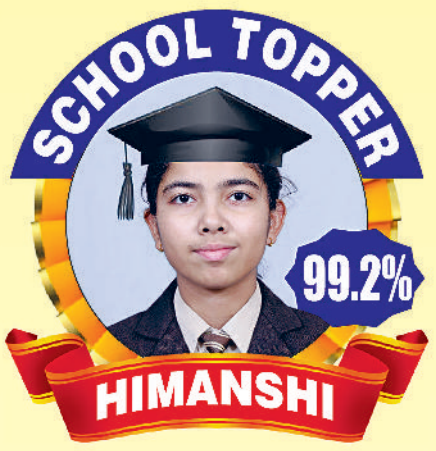

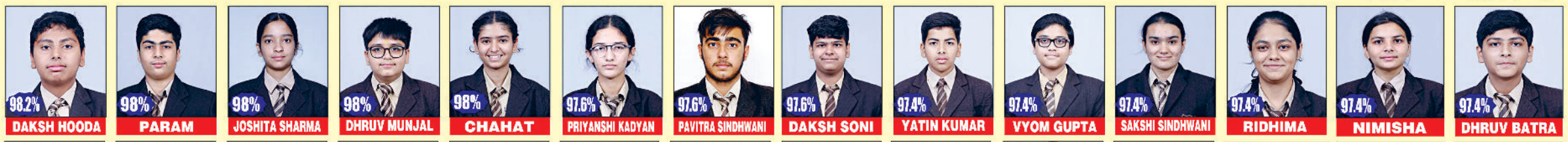

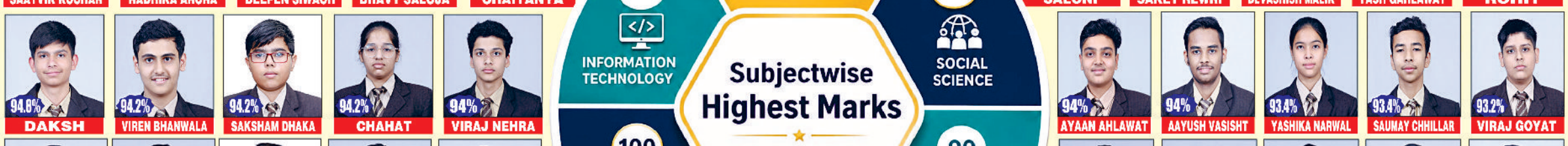

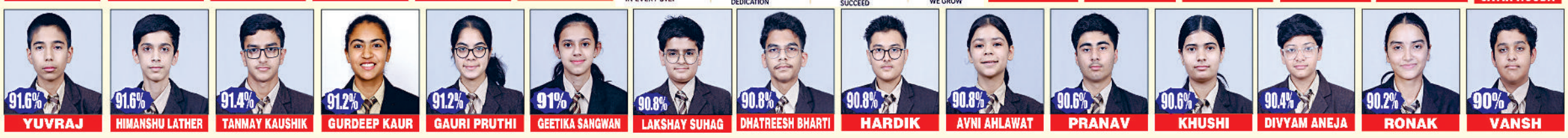

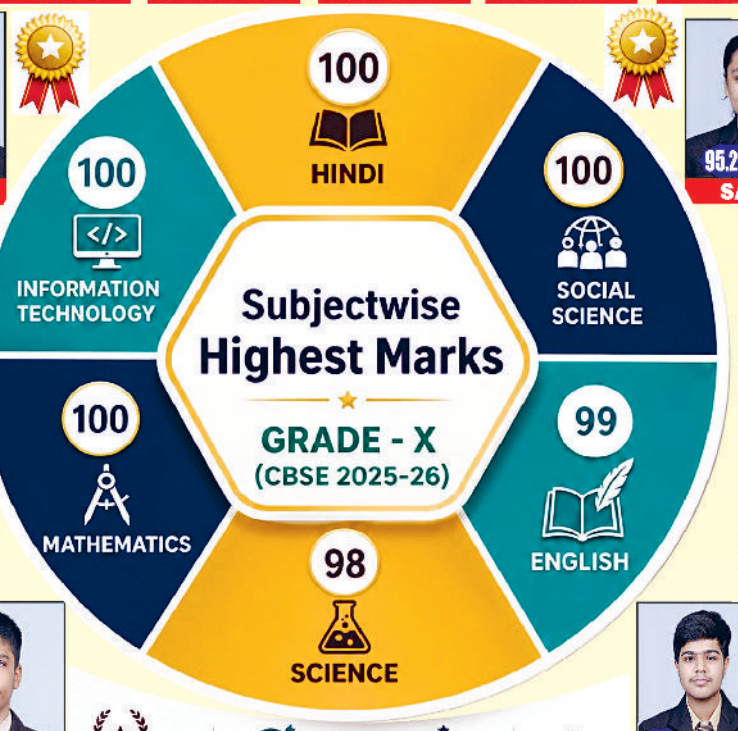

EXCELLENCE IN EVERY STEP | FOCUS DEDICATION | ACHIEVE SUCCEED | TOGETHER WE GROW

ROHTAK'S #1 SCHOOL FOR BEST RESULTS!

CBSE CLASS-XII RESULT (2025-26) 85% AND ABOVE

90% AND ABOVE 24 STUDENTS

DISTINCTIONS 111 STUDENTS Out of 164 Students

SCHOOL TOPPER

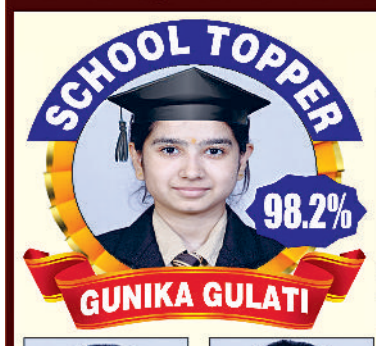

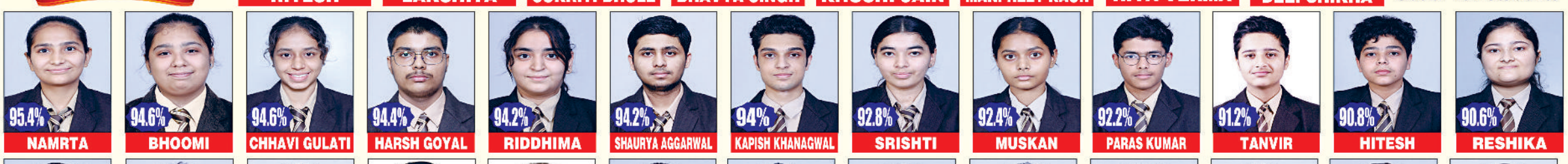

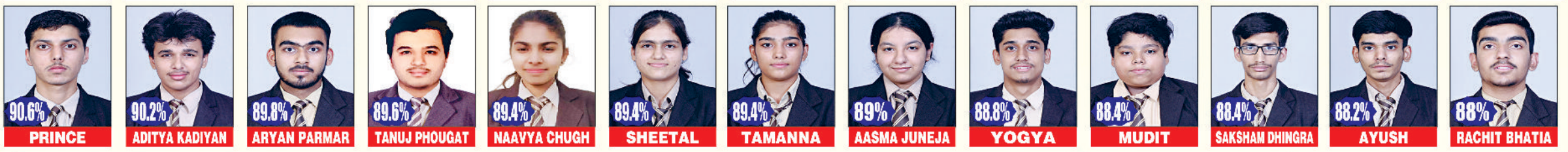

GRADE : XII SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

MATHS 100 | HISTORY 100 | MUSIC 100 | PAINTING 100 | ENGLISH 99 | ECO. 99

CHEM 99 | BIO 99 | PHYSICS POL. SC. 98 | ACCOUNTS B. STUDIES 98 | HINDI, PSY. & PHY. EDU. 98 | GEOGRAPHY 97

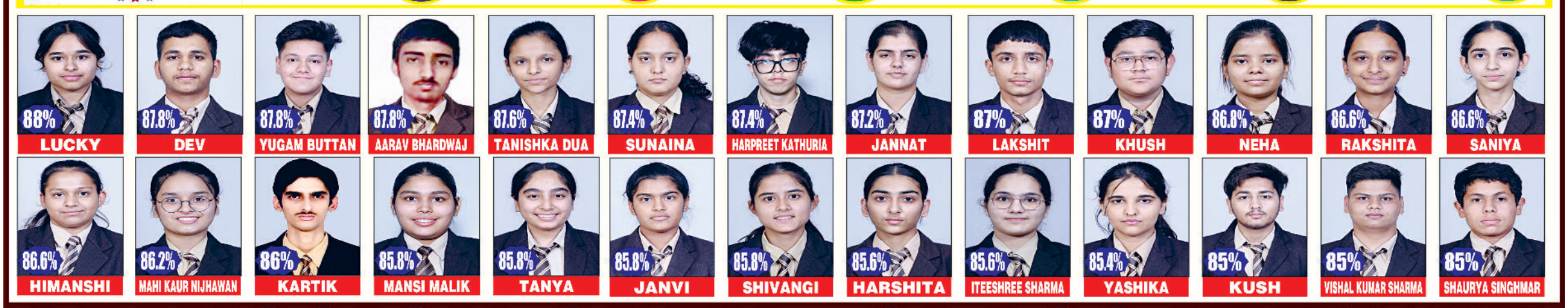

ADMISSION OPEN - CLASS XI

MEDICAL / NON-MED. COMMERCE / ARTS

SECTOR-34, SUNCITY, ROHTAK | CONTACT : 9254377414, 9812478999 | Website : ppsrohtak.in